



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 ज्येष्ठ 1936 (श0)
(सं0 पटना 476) पटना, मंगलवार, 3 जून 2014

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

25 फरवरी 2014

सं0 2217—श्री ठाकुर गोपाल जी मंदिर, मिरचाई गली, पटना सिटी, पटना को पर्षदीय आदेश ज्ञापांक—1632, दिनांक 21/10/2009 द्वारा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—28 (2) (प) के तहत सार्वजनिक धार्मिक न्यास घोषित किया गया। साथ ही न्यास सम्पत्तियों के दुरुपयोग एवं दुर्विनियोग के कारण अधिनियम की धारा—28 (2) (एच) (iii) (v) (vi) के तहत श्री सुधाकर मालू को इस न्यास के न्यासधारी के पद से अपसारित किया गया तथा मो0 शान्ति देवी जौजे स्व0 राम लाल माहेश्वरी एवं श्री राजेश माहेश्वरी पिता— स्व0 राम लाल माहेश्वरी, जो इसके न्यासधारी हैं, को इस न्यास के न्यासधारी की मान्यता दी गई। उक्त आदेश में यह भी उल्लेखित है कि इनकी ओर से श्री विजय कुमार कारवां इस न्यास का प्रबंधन करेंगे तथा न्यास की चल-अचल सम्पत्ति का प्रभार ग्रहण करेंगे, जिसमें न्यास की कलकत्ता स्थित संपत्ति का प्रबंधन भी शामिल होगा। इस आदेश के विरुद्ध श्री सुधाकर मालू ने माननीय पटना उच्च न्यायालय में सिविल रिट याचिका सं0—2999/2010 दायर किया। यह मामला अधिनियम की धारा—28 (2) (प) की वैधता के बिन्दु पर खंड पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया गया। खंड पीठ ने दिनांक 18/04/12 के आदेश में धारा—28 (2) (प) के संबंध में मा0 उच्च न्यायालय के पीठ द्वारा पूर्व में पारित आदेश में हस्तक्षेप से इंकार करते हुए इसे पुनः एकल पीठ को निर्णय के लिए हस्तांतरित कर दिया। एकल पीठ द्वारा दिनांक 22/08/13 को उक्त याचिका को खारिज करते हुए रिट आवेदक को सक्षम न्यायालय के समक्ष अपना दावा पेश करने का निर्देश दिया। इस प्रकार पर्षद द्वारा दिनांक 21/10/2009 को पारित आदेश प्रभावी रहा।

पर्षद द्वारा मान्यता प्राप्त न्यासियों के प्रतिनिधि श्री विजय कारवां ने निवेदन किया है कि जन-भावना को देखते हुए, मूर्ति स्थापित कर पूजा-पाठ पुनः प्रारम्भ करावाना चाहता हूँ, लेकिन मूर्ति रखने की व्यवस्था नहीं है, अतः मंदिर का पुर्ननिर्माण कराना आवश्यक है। इसके लिए श्री राजेश माहेश्वरी, न्यासधारी की अध्यक्षता में एक न्यास समिति के गठन के लिए सदस्यों के नामों की सूची समर्पित की गई है।

उपरोक्त परिस्थितियों में **श्री ठाकुर गोपाल जी मंदिर न्यास, मिरचाई गली, पटना सिटी, पटना** के जीर्णोद्धार, सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सम्यक् विकास हेतु बिहार राज्य धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा-32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा-32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उप विधि सं0-43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए **श्री ठाकुर गोपाल जी मंदिर न्यास, मिरचाई गली, पटना सिटी, पटना** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

यो ज ना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**श्री ठाकुर गोपाल जी मंदिर न्यास योजना, मिरचाई गली, पटना सिटी, पटना**” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “**श्री ठाकुर गोपाल जी मंदिर न्यास समिति, मिरचाई गली, पटना सिटी, पटना**” होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का प्रमुख दायित्व मंदिर का पुर्ननिर्माण कराना होगा। न्यास समिति, न्यास की भूखंडों पर अन्य कोई निर्माण नहीं करेगी। इसका अन्य किसी कार्य में उपयोग न्यास समिति की अनहर्त्ता मानी जायेगी और इसके लिए उनके विरुद्ध समुचित कार्रवाई की जायेगी।
3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा अध्यक्ष सचिव एवं कोषाध्यक्ष में से किन्हीं दो के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालने करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहुत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित / हस्तांतरित भूमि की वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास समिति को न्यास की सम्पत्तियों के किसी प्रकार के हस्तान्तरण का अधिकार नहीं होगा।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी ।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | | |
|--|---|--------------------|
| (1) अनुमण्डल पदाधिकारी, पटना सिटी | — | पदेन अध्यक्ष |
| (2) श्री राजेश माहेश्वरी, पिता— स्व० राम लाल जी माहेश्वरी
पता— द्वितीय तल, सी०जी० 119, सेक्टर— 2, साल्ट लेक,
कोलकाता— 700091 | — | उपाध्यक्ष |
| (3) श्री विजय कुमार कारवा, पिता— श्री श्री गोपाल जी कारवा
पता— कदमकुआं, नियर जहाजी कोठी, पटना— 800003 | — | सचिव सह कोषाध्यक्ष |
| (4) श्री शशी कला माहेश्वरी, पति— श्री राजेश माहेश्वरी
पता— द्वितीय तल, सी०जी० 119, सेक्टर— 2, साल्ट लेक,
कोलकाता— 700091 | — | सदस्य |
| (5) श्री सुमन मालू, पिता— स्व० पन्नालाल जी माहेश्वरी
पता— 12, एस०बी०आई० ऑफिसर्स कॉलोनी, शेखपुरा,
पटना— 800014 | — | सदस्य |
| (6) श्री पीयूष माहेश्वरी, पिता— स्व० गोपी चन्द्र माहेश्वरी
पिता— प्लॉट 050, एच०ए०सी०टी० कॉलोनी, अपॉजिट बिक्रमपुरी,
सिकन्दराबाद— 500009 | — | सदस्य |
| (7) श्री जगमोहन शारदा, काली स्थान, पटना सिटी | — | सदस्य |

उपरोक्त न्यास समिति का कार्यकाल दिनांक— 25/02/2014 से 05 वर्षों की होगी, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर ही इसकी निरन्तरता कायम रहेगी ।

विश्वासभाजन,
किशोर कुणाल,
अध्यक्ष ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 476-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>